Q:- सदस्यों पर समूह के प्रभाव का वर्णन करें।

Ans:- समूह समग्रता का प्रभाव संबंधित समूह के सदस्यों पर महत्वपूर्ण ढंग से पड़ता है। समूह समग्रता की दिशा में जो अध्ययन हुए हैं उन अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ कि समग्रता का प्रभाव न केवल समूह के सदस्यों पर पड़ता है बल्कि समूह समग्रता का प्रभाव समूह की संरचना और समूह की उत्पादकता पर भी पड़ता है। इस दिशा में हुए अध्ययनों के आधार पर समूह समग्रता के प्रभाव के संबंध में कुछ महत्वपूर्ण बिन्दु निम्न प्रकार के हैं-

(1) सदस्यों का आत्म-सम्मान- समूह की समग्रता जब उच्च स्तर की होती है, तब समूह के सदस्यों का आत्म-सम्मान सुरक्षित रहता है। समूह के सदस्य समूह में रहकर अपने को सुरक्षित समझते है। वह समूह की समग्रता से इतना अधिक प्रभावित होते हैं कि अत्यधिक सुरक्षा के कारण उनमें किसी भी प्रकार की चिंता नही होती है अर्थात् समूह के सदस्य समूह में रहकर भयमुक्त और चिंता मुक्त जीवन व्यतीत करते है।

(2) सदस्यों का संपोषण- जब समूह के सदस्यों में समग्रता अधिक मात्रा में होती है तब समूह के सदस्यों में आकर्षण अधिक मात्रा में होता है। इस अवस्था में समूह के सदस्य के समूह सदस्यता का संपोषण स्वाभाविक रूप से बना रहता है। समूह

Scanned by TapScanner

के सदस्य समूह की सदस्यता छोड़ना नही चाहते हैं। दूसरी ओर जब समूह में समग्रता कम होती है तो समूह के सदस्य समूह की सदस्यता बनाये रखने में कठिनाई का अनुभव करते हैं।

(3.) <u>सदस्यों पर नियंत्रण</u>- समूह की समग्रता का प्रभाव समूह के सदस्यों के नियंत्रण पर भी महत्वपूर्ण ढंग से पड़ता है। समूह की समग्रता जब उच्च स्तर की होती है तब समूह के सदस्यों पर नियंत्रण प्रर्याप्त मात्रा में ही नही होता है बल्कि नियंत्रण प्रभावशाली ढंग से भी होता है।

(4.) <u>समूह की सहभागिता</u> :- जब किसी समूह की समग्रता उच्च स्तर की होती है तब तो समूह की समग्रता प्रभाव के कारण सदस्यों की सहभागिता बढ़ जाती है। समूह के सदस्यों की सहभागिता बढ़ने से समूह सदस्य सामूहिक कार्य करना अधिक पसंद करते हैं।

Dr. Randhir Kumar
Dept of psychlogy
subject - social psychology
Papper - II
V.K.C. Rosera Samastipur
9570435959 , 9431852588

Scanned by TapScanner